Staff Strength in Metropolitan Cities

Sl. No.	Metro Cities	Staff Strength for the year 1990-91	1991-92	1992-93	1993-94	1994-95
1.	Bombay	27174	27058	29302	32774	32470
	MTNL	(−)1.06%	(−)1.48%	(+)6.69%	(+)19.33%	(+)18.22%
2.	Delhi	22403	24321	24866	27288	28139
	MTNL	(−)0.13%	(+)8.42%	(+)10.85%	(+)21.65%	(+)25.44%
3.	Calcutta	15611	15300	15210	15669	15442
		(+)0.81%	(−)1.20%	(−)1.78%	(+)1.18%	(−)0.28%
4.	Madras	9215	9156	9503	9840	10022
		(+)1.55%	(+)0.90%	(+)4.73%	(+)8.44%	(+)10.44%

Steps to increase Domestic Production of Crude Oil

301. SHRI S. MUTHU MANI: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that India will have to import 30 million tonnes of oil to meet the domestic requirement of oil at the cost of Rs. 20,000/- crores during the current year;

(b) what is the total production of crude oil achieved from the country's own oil fields during the year 1994-95; and

(c) what are the proposals to increase the domestic production of oil?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPTAIN SATISH SHARMA): (a) The quantity and value of oil to be imported during the current year (1995-96) would depend on international prices, indigenous crude production, materialisation of the refining capacity and actual materialisation of demand.

(b) The indegenous crude oil production during 1994-95 was 32.24 MMT.

(c) The Government have initiated a number of short term and medium term measures to increase the production of crude oil. These include:

(i) Development of new fields.

(ii) Drilling of development and infill wells and putting them on production in quickest possible period.

(iii) Maintenance of reservoir health by appropriate pressure maintenance methods, work-over jobs and optimisation of production.

(iv) Offering some medium-small sized fields to JVCs/private parties.

(v) Extension of enhanced oil recovery schemes from pilot scale to full scale fields application.

(vi) Implementation of specialised technologies such as extending reach drilling, horizontal and drain hole drilling.

जल परिवहन निगम के विकास हेतु योजना

302. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान केन्द्रीय अन्तर्देशीय जल परिवहन निगम के विकास की कोई व्यापक योजना है;

(ख) यदि हां, तो उस योजना पर कितनी राशि खर्च की जाएगी;

(ग) क्या उक्त अवधि के दौरान, बम्बई, वाडीनार, कांडला पत्तनों के विकास की कोई व्यापक योजना सरकार के विचाराधीन है;

(घ) क्या इस उद्देश्य के लिए कोई विदेशी सहायता भी ली जा रही है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री एम० राजशेखर मूर्ति): (क) जी हां। अंतर्देशीय जल परिवहन यातायात की अत्यधिक संभावना को ध्यान में रखते हुए केन्द्रीय अंतर्देशीय जल परिवहन नि० लि० ने मुख्य आई डी टी प्रचालक होने के नाते आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान नए जलयानों की खरीद, राजाबागान डाकयार्ड के आधुनिकीकरण तथा जलयानों की पूंजीगत मरम्मत की स्कीम तैयार की थी।

(ख) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 96.10 करोड़ रु० के अनुमोदित परिव्यय की तुलना में मार्च, 1995 तक विकास कार्यों पर केवल 11.00 करोड़ रु० की राशि खर्च की गई है जो वस्तुतः वार्षिक आबंटन पर आधारित है। इसके अतिरिक्त आठवीं योजना के दौरान पूर्वानुमानित व्यय लगभग 40.00 करोड़ रु० है।

(ग) से (ङ) जी हां। बम्बई और कांडला पत्तन (वाडीनार सहित) के विकास के लिए आठवीं योजना में अनेक विकास स्कीमें हैं। ये स्कीमें इस प्रकार हैं:—

बम्बई पत्तन:

1. सब-मैरिन पाइप लाइनों को बदलना।
2. इन्दिरा डॉक और विक्टोरिया डॉक में व्हार्फ क्रेनों को बदलना।
3. वडाला में भूमि का अग्रिहण और विकास।
4. सक्शन ड्रेजर "विक्रम" को बदलना।
5. पीरपाऊ ऑयल बर्थ को बदलना।
6. इन्दिरा गोदी के बाहरी लॉक गेट को बदलना।
7. फायर फ्लोर शीतल को बदलना।
8. मिअरवैदर और हम्स ड्राई डॉक में कैशन गेट को बदलना।
9. जहाज मरम्मत सुविधाओं का आधुनिकीकरण।
10. जलयान यातायात प्रबंधन प्रणाली।

कांडला पत्तन (वाडीनार सहित)

1. कांडला में अतिरिक्त तेल जैट्टी।
2. कांडला में अतिरिक्त कार्गो बर्थ।
3. वाडीनार में बहुउद्देश्यीय बर्थ तथा अवसंरचनात्मक सुविधाओं का विकास।
4. कांडला में 66 के वी-11 के वी विद्युत उपकेन्द्र की व्यवस्था।
5. न्यू कांडला में कार्गो जैट्टी तक पारगमन क्षेत्र और मौजूदा सड़कों को चौड़ा करना और सुधारना।
6. वाडीनार में कच्चा तेल हैंडल करने के लिए अतिरिक्त सुविधाएं।
7. कांडला में कंटेनर हैंडलिंग सुविधाओं का विकास।
8. कांडला में चौथी तेल जैट्टी।
9. एच डी कच्छ वल्लभ का सुधार/प्रतिस्थापन।

आठवीं पंचवर्षीय योजना में कांडला पत्तन न्यास (वाडीनार सहित) के लिए कुल परिव्यय 226.00 करोड़ रु० और बम्बई के लिए कुल परिव्यय 413.00 करोड़ रु० है। बम्बई पत्तन न्यास के मामले में क्रम संख्या 5 से 10 तक दी गई परियोजनाओं के लिए एशियाई विकास बैंक 51 मिलियन अमेरिकी डॉलर उपलब्ध करवा रहा है।

Proposal for National Grid of Natural and Associated Gas

303. SHRI NILOTPAL BASU: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether Government have any proposal under their consideration to build a national grid of natural and associated gas;

(b) if so, the details thereof; and

(c) if not, the reasons therefor;

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPT. SATISH SHARMA): (a) to (c) No proposal for a national grid for natural gas is under consideration at present. Additional pipelines to transport natural gas are planned to be set up in various regions depending on the availability of gas and the requirement of units which have been allocated gas.